कृषि विज्ञान केन्द्र बरेली द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, भाकृअनुप–भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर, बरेली द्वारा वर्ल्ड विजन, भुता, बरेली के सहयोग से भुता विकासखण्ड, बरेली में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर "संतुलित उर्वरक प्रयोग" एवं "क्षेत्र विशेष के लिये उपयोगी कृषि वानिकी विषय" पर भी किसानों हेतु कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ॰ बृजपाल सिंह, अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, बरेली ने उपस्थित कृषकों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के महत्व के बारे में जानकारी देते हुये बताया कि आज–कल कि भाग–दौड़ वाली जीवन शैली में बिना दवा, बिना खर्चे के यदि मनुष्य को स्वस्थ रहना है तो नियमित योगासन से बेहतर कोई विकल्प नहीं है। यह मनुष्य को शारीरिक, मानसिक थकान तथा तनाव से मुक्ति प्रदान करता है और मानसिक शांति एवं आत्मिक ऊर्जा के उत्थान में सहयोग करता है। उन्होंने बताया कि इसके महत्व का अनुमान इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि यह एक प्राचीन भारतीय पद्धति है जिसे आज पूरे विश्व में इसे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मना कर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इसके पश्चात उन्होंने स्वयं योगासन किये और उनके साथ सभी उपस्थित कृषि विज्ञान केन्द्र, वर्ल्ड विजन के सदस्यों ने तथा किसानों ने भी योगासन किया।

श्री राकेश पाण्डे, विषय वस्तु विशेषज्ञ, ने कृषको को धान की रोपाई के समय ध्यान रखने योग्य बिन्दुओं, अन्य खरीफ फसलों कि प्रबन्धन तकनीकों, संसाधन संरक्षण तकनीकों, प्राकृतिक खेती और फार्मर प्रोड्यूसर कम्पनी के गठन के बारे में विस्तार से जानकारी दी| उन्होंने क्षेत्र विशेष के लिये उपयोगी कृषि वानिकी के महत्व के बारे में जानकारी देते हुये बताया कि कृषि वानिकी के लिये ऐसे पौधों का चयन करें जो आपके क्षेत्र के लिये उपयोगी हों साथ ही आपकी आवश्यकताओं कि भी पूर्ति करने में सक्षम हों।

श्रीमती वाणी यादव ने पावर प्वाइंट के माध्यम से संतुलित उर्वरक प्रयोग, मिट्टी का स्वास्थ्य प्रबंधन, समेकित पोषक तत्व प्रबंधन के विषय पर चर्चा की| इस अवसर पर उर्वरकों के दक्ष एवं संतुलित प्रयोग पर एक विडियो फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया। वर्ल्ड विजन के प्रबंधक श्री अश्विन मैसी ने कृषि विज्ञान केन्द्र के सदस्यो तथा उपस्थित कृषकों का धन्यवाद ज्ञापित किया | कार्यक्रम में 85 कृषक एवं कृषक महिला तथा 14 कृषि विज्ञान केन्द्र और वर्ल्ड विजन के सदस्यों ने सहभागिता दर्ज की |